मुख्यमंत्री गहलोत की तुष्टिकरण की राजनीति ने ले ली एक निर्दोष की जान : शेखावत

उदयपुर की घटना पर केंद्रीय मंत्री का राजस्थान सरकार और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उदयपुर की घटना को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि उदयपुर में जहां एक निर्दोष नागरिक कन्हैयालाल तेली की बर्बरता से हत्या की गई, वहां अभी कुछ दिनों पहले कांग्रेस पार्टी ने 'चिंतन' किया था। 'चिंतन' पार्टी की गिरती दशा पर करना था, लेकिन कांग्रेस पार्टी अपने चिर-परिचित एजेंडे भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोसने में लगी रही, क्योंकि उसे 'चिंतन' नहीं एक वर्ग विशेष को खुश करना था। इसी तुष्टिकरण की राजनीति को राजस्थान के मुखिया अशोक गहलोत आगे बढ़ा रहे हैं, जिसके घातक परिणाम प्रदेश और देश की जनता देख रहे हैं। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल तेली की हत्या भी इसी तुष्टिकरण की राजनीति का घातक परिणाम है। अपने बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आखिर क्या कारण है कि कन्हैयालाल तेली की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उन्होंने पुलिस को आरोपियों के मोबाइल नंबर तक मुहैया कराए थे। धमकियों के चलते अपनी दुकान तक बंद रखी, पर पुलिस सोई रही। पुलिस और राज्य सरकार की नाकामी का ही नतीजा है कि जैसे ही कन्हैयालाल ने अपनी दुकान खोली, उनकी जान ले ली गई। राजस्थान में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, यह इसी बात से पता चलता है कि उन्होंने बर्बरता से हत्या के बाद हथियार लहराते हुए वीडियो जारी किया। शेखावत ने कहा कि सरकार की ऐसी ही नाकामी करौली, जोधपुर, धौलपुर, भीलवाड़ा आदि शहरों में जनता देख चुकी है। कैसे करौली में रामनवमी की शांतिपूर्ण शोभायात्रा पर हमला हुआ? कैसे जोधपुर में एकतरफा उपद्रव मचाया गया? करौली में पीएफआई और दूसरे संगठनों के साथ कुछ सूत्र जुड़ते हुए पाए गए थे, लेकिन राजस्थान सरकार इस पर आज भी मौन है। करौली और जोधपुर में उपद्रव के दोषी तो साफ-साफ पहचाने गए, लेकिन एक वर्ग विशेष कांग्रेस पार्टी और गहलोत सरकार से नाराज न हो जाए, इसलिए पुलिस के हाथ बांध दिए गए।

> ■ **बोले, यदि इस बार भी अपराधियों को बख्श दिया गया तो अगले साल जनता आपका हिसाब करने के लिए तैयार बैठी है**

शेखावत ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति की हद तो यह है कि अपना गृह क्षेत्र होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर नहीं आए। करौली में करीब महीनेभर कर्फ्यू लगाए रखा, लेकिन वहां भी नहीं गए। मुख्यमंत्री उदयपुर में हुई घटना को भी केवल दु:खद बताकर अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री जनता सब देख रही है। केंद्रीय मंत्री ने मांग की कि उदयपुर की घटना की पूरी गंभीरता के साथ जांच होनी चाहिए। जिन्होंने कन्हैयालाल तेली की जान ली, केवल वो दोषी नहीं हैं। उनके पीछे कौन लोग हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाने की आवश्यकता है, भले वो कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों? उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जी अपनी तुष्टीकरण की राजनीति से बाहर निकलकर प्रदेश की जनता की रक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी अपराधियों को बख्श दिया गया तो अगले साल जनता आपका हिसाब करने के लिए तैयार बैठी है। देश से तो कांग्रेस का सफाया हो चुका है। अब उसके अंतिम किले राजस्थान और छत्तीसगढ़ का ढहना भी तय है।

राज दीपक रस्तोगी का कार्यकाल बढ़ाया

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्र सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राज दीपक रस्तोगी को अपर सॉलिसीटर जनरल ऑफ इंडिया के पद पर कार्यकाल को बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति से अनुमति मिलने के बाद विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर रस्तोगी का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए बढाया है।

वकील गोवर्धन सिंह की सीबीआई जांच की गुहार

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार कौंसिल से निलंबित अधिवक्ता गोवर्धन सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में दायर याचिका पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। वहीं अदालत ने आरोपी के खिलाफ दर्ज विभिन्न एफआईआर को रद्द करने की गुहार के साथ दायर याचिकाओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगते हुए दो सप्ताह बाद सुनवाई रखी है। जस्टिस बीरेन्द्र कुमार ने यह आदेश गोवर्धन सिंह की याचिकाओं पर दिए।

याचिका में कहा गया कि उसे गत 27 अप्रेल को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद उसके खिलाफ एक के बाद एक कई एफआईआर दर्ज कराई गई। वहीं जिन मामलों में पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट पेश कर दी थी, उन्हें भी रीओपन कर याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। याचिका में कहा गया कि एक मामले में न्यायिक अभिरक्षा के आदेश होने के बाद उसे दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया जाता है। अब तक उसे करीब 55 दिन की पुलिस अभिरक्षा में रख चुके हैं। इसके अलावा उसे बैंक खातों आदि को भी सीज कर दिया है। राज्य सरकार याचिकाकर्ता के खिलाफ दुर्भावना से कार्रवाई कर रही है। ऐसे में प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए उसे सीबीआई को सौंपा जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि आरोपी कई लोगों को ब्लैकमेल करता था। उसके खिलाफ जयपुर और बीकानेर में पिछले दो दशक से कई मामले दर्ज हुए हैं। वहीं उसकी गिरफ्तारी के बाद कई पीड़ितों ने सामने आकर एफआईआर दर्ज कराई है। मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने के कोई आधार नहीं है। केवल मात्र आरोपी के कहने से ही प्रकरण की जांच सीबीआई को नहीं सौंपी जा सकती। यदि ऐसा हुआ तो सभी आरोपी अपने मामले की जांच सीबीआई को भेजने के लिए कहेंगे।

सड़क पर 691 अतिक्रमण, हाईकोर्ट ने पालना के लिए तीन माह का समय दिया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच बनी सड़क पर करीब सात किलोमीटर के दायरे में हुए अतिक्रमण के मामले में राज्य सरकार को पालना के लिए तीन माह का समय दिया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश बाबूलाल शर्मा की पीआईएल पर दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच के अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया है। इस रोड पर करीब सात किमी दूरी में 691 अतिक्रमण हैं। अतिक्रमियों को नोटिस दिए जा चुके हैं और कई अतिक्रमियों ने अपनी आपत्तियां भी पेश की है। फिलहाल अतिक्रमियों का पक्ष सुना जा रहा है। ऐसे में आदेश की पालना के लिए तीन माह का समय दिया जाए। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने राज्य सरकार को समय देने का विरोध करते हुए कहा कि दिसंबर में ही अतिक्रमणों के सर्वे की कार्रवाई पूरी हो गई थी। राज्य सरकार ने लंबे समय से हाईकोर्ट के आदेश की पालना नहीं की है। इसलिए अब राज्य सरकार को समय देने की बजाय अदालत आदेश की पालना करवाए। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर राज्य सरकार को तीन महीने का समय दिया है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच बनी 200 फीट की रोड पर करीब सात किमी के दायरे में हुए अतिक्रमण मामले में जुलाई 2021 में जेडीए को निर्देश दिया था कि वह एक महीने में इस रोड के सभी अतिक्रमणों को चिन्हित करें और उसके तीन महीने में अभियान चलाकर अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई करें। इसके बाद नवंबर 2021 में भी हाईकोर्ट ने अपने पूर्व में दिए गए फैसले में भी दखल से इंकार करते हुए न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल मानसरोवर व अन्य की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी।

मुख्यमंत्री अपनी भूमिका में पूर्णतया विफल, तालीबानी घटनाओं से राज्य की जनता भयभीत है : डॉ. पूनिया

'राज्य का पुलिस प्रशासन और सरकार कमजोर हो जाती है तो सबसे पहले कोई दोषी हैं तो वो गृहमंत्री और मुख्यमंत्री हैं'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उदयपुर हत्याकांड को लेकर कहा कि, प्रदेश में कानून व्यवस्था की नाकामी प्रदेश के पुलिस इंटेलिजेंस की फेल्योर और पुलिस का इकबाल खत्म होना यानी किसी की दुकान पर जाकर गर्दन काट देना ये पुलिस के इकबाल खत्म होने की सबसे बड़ी निशानी है, अपराधी बेखौफ हो जाएं और सरेआम इस तरह से अपराध करें तो ये सीधे-सीधे राज्य सरकार की कानून व्यवस्था की विफलता को बताता है।

एनआईए और केन्द्र की एजेन्सी तभी आती है जब स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार, पुलिस नाकाम हो जाती है और उदयपुर की इस घटना से शायद एनआईए का अपना एक संकेत है कि ये घटना केवल एक, दो या तीन व्यक्ति की नहीं है, इसके तार कहां तक जायेंगे, कोई कह नहीं सकता, क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के शासन में जो सहूलियत अपराधियों को मिली हुई है, इस तरह के

डॉ. सतीश पूनिया मीडिया से रूबरू हुए।

राज में अपीजमेंट की राजनीति हो रही है, जिस राज में पुलिस में राजनैतिक दखल से नियुक्तियां होती हों, जिस राज में पुलिस के बेड़े को आधुनिकीकरण के लिए संसाधन के लिए कोई सोच नहीं हो तो ऐसी परिस्थिति में वहां की पुलिस नाकाम हो जाती है।

> ■ **'दुकान पर जाकर गर्दन काट देना ये पुलिस के इकबाल खत्म होने की सबसे बड़ी निशानी है, अपराधियों का बेखौफ हो जाना राज्य सरकार की कानून व्यवस्था की विफलता को बताता है'**

राज्य का पुलिस प्रशासन और सरकार कमजोर हो जाती है तो सबसे पहले कोई दोषी हैं तो वो राजस्थान के गृहमंत्री और मुख्यमंत्री हैं, जिन पर जन सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी थी पर ये अफसोस है कि वो टविटर के जरिये शांति और सदभाव की अपील करके प्रधानमंत्री जी के बारे में ये कहते हैं कि उनको आगे आना चाहिए, तो भाई आप पीछे क्यों हो राजस्थान की जिम्मेदारी तो आपके जिम्मे है और इसलिए स्वभाविक तौर पर एनआईए जब आया है तो ये उम्मीद की जा सकती है कि एनआईए उन सब लोगों तक पहुंचेगा तो राजस्थान की शांति और सदभाव को बिगाड़ना चाहते हैं, जो लोग ये बयान देते है कि पूरे देश में केरोसिन फैल जाएगा यानि ये स्पष्ट है कि किस तरह की मानसिकता से यह लोग प्रदेश को अराजकता में धकेलना चाहते हैं, पूरे देश में अशांति फैलाना चाहते हैं, ये पहला इंसिडेन्ट नहीं है। राज्य के मुख्यमंत्री जो स्वयं गृहमंत्री भी हैं, जो अपनी भूमिका में पूर्णतय विफल हैं, इस प्रकार की तालीबानी घटनाओं से राज्य की जनता भयभीत है और सरकार जन सुरक्षा का भरोसा देने में असफल हुई है। हम एक जिम्मेदार राजनैतिक दल के नाते अपील करते है कि प्रदेश में शांति और सदभाव बना रहे, लेकिन प्रश्न यह है कि राज्य में इस प्रकार की घटनाएं कांग्रेस के शासन में क्यों होती हैं?

कन्हैयालाल के परिजनों को 50 लाख के मुआवजे की घोषणा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रदेशवासियों से शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना धार्मिक नहीं, बल्कि आतंकी घटना है। राज्य सरकार द्वारा बिना विलंब अपराधियों को कठोर सजा दिलाई जाएगी। हम सभी को एकजुट होकर शांतिपूर्वक तरीके से ऐसी घटनाओं की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रित परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाऐगी।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सर्वदलीय बैठक में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव, राष्ट्रीय लोकदल के प्रतिनिधि व तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, सीपीआई (एम) के प्रतिनिधि बलवान पूनिया, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि व पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, किसान महापंचायत के प्रतिनिधि रामपाल जाट सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

स्टॉकहोम में नीरज चोपड़ा को मिलेगी कड़ी चुनौती

स्टॉकहोम, 29 जून। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा गुरुवार को डायमंड लीग के स्टॉकहोम सत्र में अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखने के इरादे से उतरेंगे। इसके साथ ही वह जैवलिन थ्रो में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने का भी पूरा प्रयास करेंगे जिसके लिये वह लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा आयोजित एक शीर्ष स्तरीय ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिता डायमंड लीग में टोक्यो 2020 के पदक विजेता जैकब वाडलेज (रजत) और चेक गणराज्य के विटेज़स्लाव वेस्ली (कांस्य) भी हिस्सा ले रहे हैं। दोहा डायमंड लीग में सीजन का सबसे लंबा 93.07 मीटर थ्रो करने वाले ग्रेनेडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, दुनिया के चौथे नंबर के जर्मनी के जूलियन वेबर और पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर भी यहां एक्शन में होंगे। चोपड़ा स्टॉकहोम में हिस्सा लेने वाले अकेले भारतीय होंगे। यह डायमंड लीग में उनकी सातवीं हाज़िरी होगी।

भारत के लिए एजबेस्टन टेस्ट में जीत जरूरी

दुबई, 29 जून। इंग्लैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पहले से ही बहुत पीछे है। यहां तक कि न्यूज़ीलैंड का 3-0 से सूपड़ा साफ़ करने के बावजूद फ़ाइनल में पहुंचने की उनकी संभावना कम है। अगर वह भारत को आख़िरी टेस्ट में हरा देते हैं, घर में दक्षिण अफ्रीका का सूपड़ा साफ़ करते हैं और पाकिस्तान को भी हरा देते हैं, तो भी उनका अंक प्रतिशत 50 से थोड़ा आगे ही होगा।

मौजूदा चैंपियन न्यूज़ीलैंड पहले ही दावेदार की रेस से बाहर हो गया है। अब वह सर्वाधिक अंक प्रतिशत 50 ही अर्जित कर सकते हैं। भारत को सात टेस्ट खेलने हैं- एक टेस्ट इंग्लैंड में, चार ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ अपने घर में और दो बांग्लादेश के ख़िलाफ़ उनके घर में। भारत अधिकतम अंक प्रतिशत 74.53 अर्जित कर सकता है, जो ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ने के लिए काफ़ी होना चाहिए। भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का भी अंक प्रतिशत गिरेगा। भारत अगर एक टेस्ट हारता है तो उनका अंक प्रतिशत 68.98 और दो टेस्ट हारने पर 63.42 हो जाएगा। तो एजबेस्टन टेस्ट भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के पास अभी भी 11 टेस्ट खेलने को बचे हैं- दो श्रीलंका में, चार भारत में, दो वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घर में और तीन दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़। यदि वह घर में खेले जाने वाले पांच में से चार टेस्ट जीत लेते हैं तो उन्हें 65 का बेहतर अंक प्रतिशत बनाने के लिए एशिया में दो टेस्ट जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित घर में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ दो टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में उन्हें 65 के अंक प्रतिशत से आगे निकलने के लिए विदेशी सरजमीं पर कम से कम एक सीरीज़ जीतनी ही होगी।

पाकिस्तान के पास अच्छा मौक़ा है क्योंकि उनके बचे सात में से पांच टेस्ट घर में होने हैं- तीन इंग्लैंड के ख़िलाफ़, दो न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ और दो विदेशी टेस्ट श्रीलंका में होने हैं। अगर वह सात में से पांच टेस्ट जीत लेते हैं तो वे अंक प्रतिशत में 65 से अधिक पर समाप्त करेंगे। श्रीलंका के लिए चीज़ें मुश्किल हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया व पाकिस्तान की मेज़बानी करनी है और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ उनके घर में खेलना है। उन्हें 65 अंक प्रतिशत के क़रीब पहुंचने के लिए चार जीत और एक ड्रॉ खेलना होगा।

जब आप भारत की जर्सी पहनते हैं, तो सिर्फ टीम के बारे में सोचते है : हुड्डा

डबलिन, 29 जून। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में शतक लगाने वाले दीपक हुड्डा ने कहा है कि उनके खेल में निखार का कारण उनकी बदली हुई मानसिकता है। हुड्डा ने मैच के बाद कहा, एक क्रिकेटर होने के नाते मैंने यह सीखा है कि आपको बहुत दूर तक नहीं सोचना चाहिये। आप कितनी भी सीरीज़ खेलें, एक बार में एक मैच की ओर ही देखना चाहिये। अगर मेरी कार्य नीति ठीक है तो मेरी मानसिकता भी बेहतर होगी और मैं रन भी बनाऊंगा।" डबलिन में मंगलवार को खेले गये रोमांचक टी20 में भारत ने हुड्डा (104) की शतकीय पारी की बदौलत आयरलैंड के सामने 226 रन का लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में आयरलैंड ने भी ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए अपने 20 ओवर में 221 रन बनाये और सिर्फ चार रन से मैच हारी।

हुड्डा ने आयरलैंड की तारीफ करते हुए कहा, "सच कहूं तो आयरलैंड ने हमारे खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया और हमें भी उनके साथ खेलकर अच्छा लगा। पहले और दूसरे मैच की पिच में काफी अंतर था। पहले मैच में बारिश के कारण पिच भीगी हुई थी, लेकिन आज विकेट बल्लेबाजी के लिये अच्छा था जो दोनों टीमों की बल्लेबाजी में दिखा भी।" जब हुड्डा से टीम में उनकी जगह पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जब आप भारत की जर्सी पहन कर खेल रहे होते हैं तो आप टीम के बारे में सोचते हैं, न कि अपने बारे में। हुड्डा ने कहा, "भारतीय टीम में जगह पाना और फिर वहां अपनी जगह कायम रखना मुश्किल है, मगर इसी के साथ जब आप भारत की जर्सी पहन कर खेलते हैं तो आप अपने बारे में बिलकुल नहीं सोचते। आप टीम के बारे में सोचते हैं। मैं मैदान पर यही सोचता हूं कि मैं किसी स्थिति में टीम में क्या योगदान दे सकता हूं, इससे ज्यादा कुछ नहीं। यह मेरे लिये गर्व की बात है कि मैं भारत के लिये खेल रहा हूं, चाहे मैं रन बनाऊं या नहीं।"

दो मैचों की श्रंखला में 151 रन (47, 104) रन बनाने वाले हुड्डा को मैन ऑफ द सीरीज़ चुना गया। पहले मैच में हुड्डा ने रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद भारत के लिये ओपनिंग की थी और मैच को समाप्त भी किया था। पहली बार सलामी बल्लेबाज का किरदार निभाने के बारे में हुड्डा ने कहा, सच कहूं तो मैं थोड़ा दबाव महसूस कर रहा था, मगर मुझे नॉन-स्ट्राइकर छोर पर अच्छे साझेदार मिले जो मुझे समझाते रहे। इससे मेरा दबाव कम हुआ।" हुड्डा ने कहा, "मैंने कभी एक अंतरराष्ट्रीय मैच में पारी की शुरुआत नहीं की है, लेकिन ऊपरी क्रम का बल्लेबाज होने के नाते आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपके पास विकल्प नहीं होते, और यदि आपके पास विकल्प नहीं हैं तो क्यों न आप एक योद्धा की तरह मैदान पर उतरें।"

हुड्डा ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, "जाहिर है, हार्दिक बहुत अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। आपने आईपीएल में भी देखा कि उन्होंने एक नयी फ्रैंचाइज़ी की कप्तानी की और वह आईपीएल जीते। मैं उनके लिये बेहद खुश हूं और जिस तरह वह जिम्मेदारी ले रहे हैं, मुझे उन पर गर्व है।"

लियोन के 5 विकेट, श्रीलंका 212 पर सिमटा

गाले, 29 जून। ऑस्ट्रेलिया ने नाथन लियोन (25 ओवर, 90 रन, पांच विकेट) और मिचेल स्वेपसन (13 ओवर, 55 रन, तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बुधवार को पहले टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका को 212 रन पर ऑल-आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने फिर स्टंप्स तक तीन विकेट खोकर 98 रन बना लिए हैं और वह श्रीलंका से 114 रन से पीछे है।

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा 47 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। उनके साथ ट्रेविस हेड छह रन बनाकर नाबाद हैं। डेविड वार्नर 25, मार्नस लाबुशेन 13 और स्टीव स्मिथ छह रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले श्रीलंका के लिये निरोशन डिकवेला ने सर्वाधिक 58 रन बनाये। डिकवेला ने 59

गेंदों की पारी में छह चौके लगाये। इसके अलावा एंजेल मैथ्यूज ने 39, डिमुथ करुणारत्ने ने 28 और पथुम निसंका ने 23 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया के लिये लियोन ने पांच और स्वेपसन ने तीन विकेट लिये। दोनों गेंदबाजों ने दूसरे सत्र के बाद गाले के रूखे विकेट का पूरा फायदा उठाया और कुल आठ विकेट झटके। लियोन ने श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी मैथ्यूज और करुणारत्ने का विकेट लिया, जबकि स्वेपसन ने दो लगातार गेंदों में धनन्जय डि सिल्वा और दिनेश चांदीमल को चलता किया। इसके अलावा कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने एक-एक विकेट लेते हुए श्रीलंका की पारी को 212 रन पर समेट दिया।

शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले ने पश्चिमी भारत में प्रवेश किया

जयपुर, 29 जून। पहली शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले ने बुधवार सुबह जयपुर पहुंचने के साथ ही पश्चिमी भारत में प्रवेश किया। अजमेर से गुजरने के बाद यह मशाल रिले अहमदाबाद में प्रवेश करेगी और फिर केवड़िया, वडोदरा, सूरत, दांडी, दमन, नागपुर, पुणे, मुंबई और पंजिम की यात्रा करेगी। इसके बाद यह मशाल रिले भारत के पूर्वी भाग, उत्तर-पूर्वी भारत में प्रवेश करेगी और दक्षिण भारत में समाप्त होगी। उत्तर भारत के पहले चरण में, यह मशाल पिछले 10 दिनों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 20 शहरों से होकर गुजरी। यह रिले आजादी का अमृत महोत्सव - भारत की आजादी के 75वें वर्ष- के उपलक्ष्य में कुल 75 शहरों से होकर गुजरेगी।

विश्व कप में खेलना भावुक अनुभव होगा : सुशीला चानू

एम्सटलवीन, 29 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सुशीला चानू ने भारत के लिए 208 मैच खेले हैं, दो ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है और 2014 में एशियाई खेलों में कांस्य पदक प्राप्त किया है, लेकिन मणिपुर में जन्मी मिडफील्डर तीन जुलाई को पहली बार विश्व कप में खेलने उतरेंगी।

एफआईएच महिला विश्व कप के पूल बी में भारत के प्रथम मैच से पहले सुशीला के उत्साह का कोई ठिकाना नहीं है।सुशीला ने अपने पहले विश्व कप मैच के बारे में कहा, "2018 में, मैं एक चोट के कारण लंदन में विश्व कप खेलने से चूक गयी। इसके बाद, मैं फॉर्म के साथ संघर्ष करती रही जिसके परिणामस्वरूप मैं उस वर्ष एशियाई खेलों से चूक गयी। यह शायद मेरे करियर का सबसे निचला बिंदु था । यह एक कठिन दौर था, लेकिन मैं इससे उबरने और फिर से टीम में अपनी जगह बनाने के लिए दृढ़ थी।"

2018 के एशियाई खेलों और उसी वर्ष विश्व कप से चूकने के बाद सुशीला ने धमाकेदार वापसी की और पिछले चार वर्षों में टीम के विकास में एक मजबूत भूमिका निभाई है। वह एफआईएच सीरीज फाइनल्स के साथ-साथ भुवनेश्वर, भारत में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में भारत की जीत का हिस्सा थीं। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और फिर 2021 में महिला एशिया कप में भारत की लाइन-अप में शामिल हुईं।

सुशीला ने एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2021/22 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जहां भारत तीसरे स्थान पर रहा। सुशीला ने एम्सटलवीन में चिली के खिलाफ टीम के अभ्यास मैच के मौके पर कहा कहा, "मैं विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मेरे कई साथियों दूसरी बार विश्व कप में खेलने उतरेंगे, लेकिन मेरे लिए यह नया अनुभव है। यह मेरे और मेरे लिए एक भावनात्मक क्षण है। निश्चित रूप से विश्वास है कि यह हमारे लिए यादगार होगा।" विश्व कप आयोजन से पहले ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में सुशीला ने कहा, "हम पिछले हफ्ते रॉटरडैम में हमारे प्रो लीग मैच समाप्त होने के तुरंत बाद एम्सटलवीन पहुंचे। हमारे पास टीम होटल में आराम के लिए पर्याप्त समय रहा और अब हम विश्व कप स्थल पर प्रशिक्षण ले रहे हैं।" उन्होंने कहा, "निश्चित रूप से हर कोई उत्साहित है और अपना 100 प्रतिशत देने के लिए उत्सुक है। नीदरलैंड हॉकी के लिए एक शानदार स्थल है और मेजबानों ने भाग लेने वाली टीमों के लिए एक अच्छा माहौल बनाया है।

अनकैप्ड खिलाड़ियों को इंग्लैंड दौरे पर भेजेगी मुंबई इंडियंस

मुम्बई, 29 जून। आईपीएल 2022 के निराशाजनक अभियान के बाद मुंबई इंडियंस अगले सीज़न की तैयारियों का शुभारंभ करने जा रही है। जुलाई में फ्रैंचाइज़ी अपने अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को तीन हफ़्तों के लिए इंग्लैंड के दौरे पर भेजने वाली है।विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं में अभ्यास करने के अलावा मुंबई टीम के युवा खिलाड़ी शीर्ष काउंटी क्लब टीमों के ख़िलाफ़ कम से कम 10 टी20 मैच खेलेंगे। तिलक वर्मा, कुमार कार्तिकेय, रमनदीप सिंह, ऋतिक शौकीन उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें कठिन परिस्थितियों में टॉप टी20 टीमों के विरुद्ध खेलने का अवसर मिलेगा।

भारतीय खिलाड़ियों की प्रगति पर नज़र रखने के लिए प्रमुख कोच महेला जयवर्धने समेत मुंबई का सपोर्ट स्टाफ़ इंग्लैंड में रहेगा। भारतीय घरेलू सीज़न ख़त्म हो चुका है। जहां कप्तान रोहित शर्मा और स्टार तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह राष्ट्रीय टीम के साथ होंगे, वहीं मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय सितारे अपनी टीमों के साथ व्यस्त होंगे। मुंबई को उन युवा खिलाड़ियों पर ध्यान देना होगा जिन्हें अगले घरेलू सीज़न से पहले साढ़े तीन महीनों के लिए कोई मैच प्रैक्टिस नहीं मिलेगी। इस दौरे के लिए मुंबई को बीसीसीआई से मंज़ूरी लेने की कोई आवश्यकता नहीं है बशर्ते टीम अन्य फ्रैंचाइज़ियों या विदेशी टी20 टीमों के विरुद्ध प्रदर्शनी मैच नहीं खेलती है। इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले संभावित खिलाड़ी: तिलक वर्मा, कुमार कार्तिकेय, ऋतिक शौकीन, मयंक मार्कंडे, राहुल बुद्धि, बेसिल थंपी, मुरुगन अश्विन, आर्यन जुयाल, रमनदीप सिंह, अनमोलप्रीत सिंह, आकाश मेधवाल, अरशद ख़ान, अर्जुन तेंदुलकर, डेवाल्ड ब्रेविस।

मलेशिया ओपन : दूसरे राउंड में पहुंची पी.वी. सिंधु

कुआलालंपुर, 29 जून। पूर्व विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु ने बुधवार को मलेशिया ओपन की महिला एकल स्पर्धा के दूसरे दौर में जगह बनायी, जबकि सायना नेहवाल पहले दौर में ही बाहर हो गयीं। सिंधु ने एक्सियाटा एरिना में हुए पहले राउंड के मुकाबले में थाइलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-13, 21-17 से मात दी। दूसरी ओर, मई में आयोजित थाइलैंड ओपन के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही सायना को अमेरिका की आइरिस वांग के हाथों 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने मैच की शुरुआत में ही आक्रामक रवैया अपनाते हुए ब्रेक तक चार पॉइंट की बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद 16-13 की बढ़त हासिल करने वाली सिंधु ने लगातार पांच पॉइंट जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। पोर्नपावी ने दूसरे गेम में सिंधु को कड़ी टक्कर दी। एक समय पर गेम 17-17 की बराबरी पर पहुंच गया, लेकिन सिंधु ने एक बार फिर वापसी करते हुए लगातार लगातार चार पॉइंट जीते और मैच भी अपने नाम किया। सिंधु और पोर्नपावी नौ बार आमने-सामने आये हैं जिसमें सिंधु ने छह बार जीत दर्ज की है जबकि पोर्नपावी तीन बार विजयी रही हैं। वह एचएस प्रणय के बाद मलेशिया ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पहले अश्विनी पोनप्पा और बी सुमीत रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी नीदरलैंड की रॉबिन ताबेलिंग और सेलेना पीक की जोड़ी से 21-15, 19-21, 21-17 से हारकर पहले ही राउंड में बाहर हो गयी थी।